

## INFERENCES

**निर्देश:** नीचे एक परिच्छेद दिया गया है और उसके नीचे उस परिच्छेद में दिए गए तथ्यों के आधार पर निकाले जाने वाले कुछ संभावित अनुमान दिए गए हैं। आप हरेक अनुमान की परिच्छेद के संदर्भ में अलग-अलग परीक्षा कर उसकी सत्यता या असत्यता की मात्रा निश्चित कीजिए।

### उत्तर दीजिए:

- 1) यदि अनुमान निश्चित रूप से सत्य है अर्थात् वह यदि दिए गए तथ्यों से उचित रूप से निकल जाता है।
- 2) यदि अनुमान प्रायः सत्य है यद्यपि दिए गए तथ्यों के संदर्भ में निश्चित रूप से सत्य नहीं है।
- 3) यदि दिए हुए तथ्य 'कभी नहीं हैं' अर्थात् दिए हुए तथ्यों से अनुमान सत्य है अथवा असत्य यह आप नहीं की सकते हैं।
- 4) यदि अनुमान 'प्रायः असत्य है' यद्यपि दिए गए तथ्यों के संदर्भ में निश्चित रूप से असत्य नहीं है और
- 5) यदि अनुमान 'निश्चित रूप से असत्य है' अर्थात् दिए हुए तथ्यों से वह निकालना संभव नहीं है अथवा वह दिए गए तथ्यों के विपरीत जाता है।

### परिच्छेद-1

कदाचित् रूप से यह समझा गया है कि विकास के नाम पर बड़ी मात्रा में विस्थापित लोगों की सर्वाधिक संख्या को तैयार करने की संदिग्धपूर्ण स्थान अपीका के बाद भारत को प्राप्त है। अगर बाँधों, खानों, वन्य प्राणीधामों तथा उद्योगों जैसे अनियत कारणों पर ही सीमित रह तो 1950 से 1991 तक विस्थापित लोगों की स्थूल अनुमानित संख्या 21 मिलियन बनजी है। अब यदि हम सोद्देश्य अथवा सुनियोजित गतिविधियों के कारण हुए नगरीय विस्थापनों को भी शामिल करें तो 30 से 35 मिलियन तक पहुँचेंगे। सरकारी रेकार्डों के अनुसार विस्थापितों में कम-से-कम 75% के लिए न तो किसी प्रकार की परवाह और न ही किसी प्रकार की पुनर्वास व्यवस्था की गई है।

1. जान पड़ता है कि विस्थापित लोगों की एक बड़ी प्रतिशतता शहरी विकास के नाम पर है।
2. लगता है कि विकसित देशों ने सुयोग्य पुनर्वास पर उचित जोर देकर विकासात्मक कार्य किए हैं।
3. लगता है कि भारत में विस्थापन का मुख्य कारण प्राकृतिक आपदा है।
4. अपीका की विकास दर भारत से ऊँची है।
5. लगता है कि भारत में विस्थापित एक-चौथाई से कम लोग पुनर्वास योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

### परिच्छेद-2

गुजरात का अधिक-से-अधिक 8.5 प्रतिशत भाग ही जंगल के अंतर्गत आता है। इसका अधिकांश भाग कच्छ एवं जंगली घासों से घिरा हुआ है। जंगलों के निरावरण के कारण जीव-जंतुओं की कई प्रजातियाँ लुप्त हो गयी हैं। उदाहरणस्वरूप माण्डवी में एक समय तेंदुओं की कभी संख्या थी, जो अब लुप्त हो गयी है। राज्य सरकार ने इस वर्ष से अगले पांच वर्षों के लिए पेड़ों की कटाई पर पूर्णतः रोक लगा दी है। नर्मदा परियोजना के कारण जंगलों के 40000 हेक्टेयर क्षेत्र के सन्निकट विनाश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विरोध हुआ है।

6. गुजरात की जनता जंगल के संरक्षण के प्रति जागरूक है।
7. गुजरात के 8.5 प्रतिशत भू-भाग में कभी घना जंगल है।
8. एक समय माण्डवी में बहुत घने जंगल थे।
9. गुजरात, भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पेड़ों के काटने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया है।
10. नर्मदा नदी पर एक बांध परियोजना बनाने की योजना है।

### परिच्छेद-3

मुख्यतः उद्घात प्रौद्योगिकियों के आविष्कार और प्रसार से दीर्घवर्धि आर्थिक प्रगति होती है। प्रिंटिंग प्रेस से वैज्ञानिक क्रांति, स्टीम इंजन से औद्योगिक क्रांति और खेतों की बड़ी हुई उपज-तथाकथित 'हरित क्रांति' से अकाल से भारत का छुटकारा संभव हुआ था। इस समय अमीर देश हर वर्ष कोयले, तेल और प्राकृतिक गैस के उपयोग से कई बिलियन टन कार्बन डाइआक्साइड नैलाकर विश्व की आबोहवा में परिवर्तन कर रहे हैं। भावी वर्षों में चीन और भारत वायुमंडल में बड़ी हुई कार्बन डाइआक्साइड में भारी योगदान देंगे। अभी तक कोई भी देश, अमीर या गरीब, अपना ऊर्जा का उपयोग इस चिंता के कारण कम करना नहीं चाहता कि ऐसा करने से नौकरियों, आमदनियों और आर्थिक विकास को खतरा होगा। नई प्रौद्योगिकियाँ समाधान का एक प्रमुख हिंसा बनेंगी। गेसोलीन और बैटरी पावर से मिलकर चलने वाली 'हाइब्रिड' कारें पहले ही इंधन की दक्षता का लगभग दुगुना और कार्बन डाइआक्साइड के नैलाव को आधा कर रही हैं। इसी तरह से, पावर प्लान्टों में जलने वाले कायले से निकलने वाली कार्बन डाइआक्साइड को कैप्चर करने और सुरक्षित रूप से जमीन के नीचे स्टोर करने के तरीकों का इंजीनियरों ने विकास कर लिया है। हृकार्बन कैप्चर और सिक्वेस्ट्रेशन नामक नई प्राद्यौगिकी बिजली के उत्पादन के समय प्रसारित कार्बन डाइआक्साइड को 80% कम कर सकती है।

11. वर्तमान प्रौद्योगिकियों को छोड़ नई हाइब्रिड प्रौद्योगिकियों को अपना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होगा।
12. आनेवाले वर्षों में, भारत और चीन विश्व विकसित देशों की सूची में सबसे ऊपर होंगे।



13. कोई देश जितना अधिक विकसित होगा हवा के प्रदूषण में उसका योगदान उतना ही कम होगा।
14. नई प्रौद्योगिकियाँ केवल बिजली के निर्माण द्वारा हुए कार्बन डाइऑक्साइड के निस्सकरण को नियंत्रित कर सकती हैं।
15. विश्व के विकासशील देश कार्बन डाइऑक्साइड का नैलाव कम करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं।

#### परिच्छेद-4

भारतीय कृषि का भविष्य केवल अधिक उत्पादन में नहीं है। तथ्य यह है कि 90 के देश में उत्पादन में साधारण वृत्ति का परिणाम हुए खाद्यान्नों, चीनी और कपास के अविनीत ढेरों का विशाल संचय। इसके बाद भारी सूखे और भारी घाटे के निर्यात से अविनीत ढेर समतल हुए। पर अच्छे मानसून की प्रत्याशा है और बिना नयी रणनीति के उत्पादों के अविनीत ढेर को िर से उमड़ने की संभावना है। पारंपरिक कृषि निर्यात के वैश्विक बाजार अमीर देशों की सहायकियों से अत्यधिक विकृत रहते हैं। अतः केवल अधिक उत्पादन करने के बजाय भारतीय कृषि को अन्य क्षेत्रों में विपथन की आवश्यकता है। यह वास्तव में कुछ समय से ऐसा कर भी रही है, किन्तु पर्याप्त तेजी से नहीं। हाल ही के एक अध्ययन के अनुसार रसलों की कीमत पर कृषि में दूधा, पोल्ट्री और अन्तर्देशी मछलीपालन के हिस्से में वृत्ति हुई है।

16. अधिकतम लाभ के लिए कृषि उत्पादों के प्रबंधा हेतु उपयुक्त योजना विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है।
17. अपने कृषि उत्पादों के विपथन में भारत ने तेजी से प्रगति की है।
18. 1990 के दशक के वर्षों में कृषि उत्पाद घरेलू मांग से बहुत अधिक थे।
19. 1990 के दशक के स्टक की निकास हेतु अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सरकार को विक्रेता नहीं मिल सका।
20. कृषि उत्पादों के उत्पादन के लिए भारत अपने किसानों को सहायकी उपलब्धा नहीं करता है।

#### परिच्छेद-5

आमतौर पर यह माना जाता है कि यदि किसी वर्ष मानसून कम हो तो, उसका लाखों लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण ढंग से नकारात्मक असर होगा। कुछ जीवन, जैसे किसानों के, रसल कम होने से सीधे प्रभावित होंगे, दूसरे परोक्ष रूप से प्रभावित होंगे क्योंकि आर्थिक विकास धीमा हो जाएगा। इसी तरह अच्छी मानसून वाले वर्ष बहुतों की जिंदगी में मुस्कान और समृद्धि ले आते हैं। उदाहरण लिए भारत ने हाल के वर्षों में निष्पादन वर्षों के बाद विकास दर में तेज उछाल दर्ज की। यह दुर्भाग्यपूर्ण चक्र लाखों गरीब और असाय जिंदगियों को प्रभावित करता है। लेकिन ऐसा होना जरूरी नहीं है। वित्तीय अर्थशास्त्र की शब्दावली में मानसून का जोखिम विशाखित कि जा सकने वाला जोखिम है। दूसरे शब्दों में यह एक बीमा जोखिम है। हालांकि हर कोई सोचेगा कि जब हर किसी पर खराब मानसून का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा हो तो उसके बदले बीमा कौन उपलब्धा कराएगा? उत्तर है - अन्तर्राष्ट्रीय निवेशक।

21. विश्व में सभी जगह विशाखित किए जा सकनेवाले जोखिमों को बीमा कंपनियां कवर करती है।
22. कम मानसून भारत में सिर्फ गरीब लोगों के जीवन पर ही प्रतिकूल प्रभाव डालती है।
23. हाल के वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में यथेष्ट वृत्ति हुई है।
24. पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में केवल हर एकांतर वर्ष ही अच्छा मानसून आया है।
25. भारत से बाहर के अधिसंख्यक लोग भारत में खराब मानसून से प्रभावित नहीं होते हैं।

#### परिच्छेद-6

भारत को पोर्ट सेक्टर में अधिक निवेश की आवश्यकता है। कंटेनर ट्रान्क में अब भी यह अंतर्राष्ट्रीय पोर्टों से पीछे है, हालांकि इस खंड में पिछले कुछ वर्षों में बहुत विकास हुआ है। विश्वव्यापी श्रेष्ठ पोर्टों की तुलना में भारतीय पोर्टों को सतत बेंचमार्क करने की आवश्यकता है और प्रति कंटेनर पोर्ट सेवाओं के लिए विश्व में न्यूनतम कीमत तक पहुंचने के लिए नीतिगत प्रयास जारी रखने चाहिए। भारत के अधिकांश मुख्य पोर्टों में जहाजों के रूकने के औसत समय में पिछले तीन वर्षों में गिरावट होती जा रही है। तथापि, विगत वर्षों के दौरान घाट लाने से पूर्व (pre-berthing) के समय में सीमान्ततः वृत्ति हुई है।

26. अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर भारतीय पोर्टों का अब तक ग्रेडिंग नहीं हुआ है।
27. भारतीय पोर्ट न्यूनतम प्रति कंटेनर सेवा लेते हैं।
28. विश्व के श्रेष्ठ पोर्टों के सदृश होने के लिए भारतीय पोर्टों को बहुत विकसित होने की जरूरत है।
29. विश्व का श्रेष्ठ पोर्ट में अमरीका में है।
30. विगत वर्षों में घाटा लगने के पूर्व के समय में क्रमशः कमी हुई है।

#### परिच्छेद-7

यद्यपि अर्थव्यवस्था वापस पटड़ी पर आ गई है और उपभोक्ता का विश्वास ऊंचा है, तथापि सिस्टम में क्रेडिट कार्ड कम होते जा रहे हैं। पिछले एक वर्ष में इस्तेमाल में आ रहे क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या में लगभग 50 लाख की कमी आई है। नवीनतम जारी डाटा के अनुसार, क्रेडिट कार्डों की संख्या नवम्बर 2010 के अंत में एक वर्ष पहले के लगभग 2.5 करोड़ से कम होकर लगभग 2 करोड़ हो गई हैं। डाटा से यह संकेत भी मिलता है कि मूल्य और मात्रा दोनों दृष्टियों से कार्ड से किए गए औसत मासिक खर्च अभी तक संकट-पूर्ण के स्तर तक नहीं पहुंचे हैं। औसत मासिक खर्च वि. व. '09 के रु. 5,400 करोड़ की तुलना में वि. व. '10 में कम होकर रु. 5,100 करोड़ हो गया है, जबकि औसत मासिक मात्रा वि. व. '09 के रु. 5,400 करोड़ की तुलना में वि. व. '10 में कम होकर रु. 5,100 करोड़ हो गया है, जबकि औसत मासिक मात्रा वि. व. '09 को 2.16 करोड़ प्रति माह की तुलना में चालू वर्ष में सिर्फ 1.94 करोड़ प्रतिमाह रही है। यहां तक कि कार्ड के जरिए पीक गेस्टिवल खर्च भी पिछले वर्ष के स्तर की तुलना में इस वर्ष कम रहा है।

31. चालू वर्ष में क्रेडिट कार्ड के प्रयोग में वि. व. '09 से कहीं कमी आई है।
32. पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में क्रेडिट कार्ड के प्रयोग में लगभग 40 प्रतिशत की कमी आई है।



33. पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में क्रेडिट कार्ड लेनदेनों की संख्या में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है।
34. भारत में क्रेडिट कार्डों के प्रयोग में कमी दूसरे कई देशों की तुलना में कम है।
35. क्रेडिट कार्डों से संबंधित अत्यधिक धोखाधड़ियों के कारण लोग चालू वर्ष में क्रेडिट कार्डों का प्रयोग नहीं कर रहे हैं।

#### परिच्छेद-8

आज निवेशकों के पास निवेश हेतु वर्ष पूर्व उपलब्ध विकल्पों से अधिक विकल्प हैं। कोई भी निर्णय लेने के लिए विकल्प का होना तब तक अच्छा है जब तक यह वैविध्य, विभेदीकरण और बेंचमार्किंग उपलब्ध कराता है। यदि विकल्प अधिकांशतः समान और भेद रहित हों तो परिणाम अव्यवस्था और शोरगुल होता है। विकल्प की इस समस्या से समझदारी से निपटने के लिए, निवेश के लिए अपने उद्देश्य - आय और ग्राह्य जोखिम दोनों को निर्धारित करना और उसके बाद संभव विकल्प पहचानना आवश्यक है। निवेशक के लिए मिक्स का चयन और नियमित रूप से यह मानीटर करना जरूरी है कि उद्देश्य और निवेश कमा परिणाम आपस में मेल खाते हों। यह सहज लगता है किंतु अत्यधिक जटिल परिस्थिति का निर्माण कर सकता है जो धान की मात्रा के साथ कई गुना अधिक जटिल हो सकती है।

36. अधिक राशि का निवेश छोटी राशि के निवेश की अपेक्षा आसान होता है।
37. निवेशक को प्रत्येक निवेश विकल्प के जोखिम का आलोचनात्मक ढंग से मूल्यांकन करना आवश्यक है।
38. आज के निवेशकों को निवेश करने से पहले अपने निर्णय को अधिक आलोचनात्मक ढंग से इस्तेमाल करना होगा।
39. एक ही प्रकार के बहुविध निवेश विकल्प बेहतर निवेश निर्णय करने में सहायक होते हैं।
40. पहले, सामान्यतः निवेशकों का मार्गदर्शन निधि प्रबंधक करते थे।



## INFERENCES

1. 1; The inference seems to be definitely true. Only urban development has caused displacement of about 9-14 million people.
2. 3; In the passage the emphasis is on the displaced people in the name of development. Again, there is no mention of rehabilitation of displaced people in other countries.
3. 5; The major cause for the displacement is the developmental work. Therefore, the inference is definitely false.
4. 3; It is not possible to determine the degree of truth or falsity on the basis of facts given in the passage.
5. 1; The last line of the passage clearly supports the inference.
6. 1; The last line of the given passage clearly supports the inference.
7. 5; Gujarat has hardly 8.5 percent of its total areas under forest. This very first line of the passage does not imply that there is thick forest in 8.5 per cent of the total areas of Gujarat. Therefore, the inference is definitely false.
8. 1; The third and the fourth lines of the passage clearly support the inference.
9. 3; On the basis of information given in the passage it is not possible to say whether the inference is true or false.
10. 1; The last line of the passage clearly indicates that a dam on the Narmada river is planned.
11. 5; The inference is definitely false. Any new technology is developed keeping in view its viability and acceptance.
12. 5; Emission of huge quantity of carbon dioxide is not a parameter for being developed countries.
13. 5; The inference is definitely false.
14. 5; From the passage it is clear that new technologies are being developed to reduce emission of carbon dioxide from automobiles and during the production of electricity.
15. 1; It is clear from the passage that the developing countries are trying to evolve new technologies to reduce the emission of carbon dioxide.
16. 1                      17. 5                      18. 3
19. 2                      20. 2
21. 2; The inference seems to be probably true. The last line of the passage somewhat supports the inference.
22. 5; The inference is definitely false. Consider the second line of the passage.
23. 1; The inference is definitely true. Consider the following line of the passage.
24. 2; "..... India recorded a sharp jump in its rate of growth after year of performance in the recent years".
25. 2; The line "This unfortunate cycle ..... lives of millions of poor and helpless" points out that good monsoon years are intercepted by bad monsoon years. Therefore, inferences seems to be probably true.
26. 3                      27. 2                      28. 1
29. 3                      30. 5
31. 1; The contents of the passage clearly indicate that the Inference is definitely true.
32. 5; It is mentioned in the passage that the number of credit cards dipped to about two crores as of end February 2010 from around 2.5 crores a year ago. Thus, the drop percentage is 20 per cent.
33. 1; Average monthly spend in the Financial year 2010 fell to Rs. 5100 crores against Rs. 5,400 crores in the Financial Year 2009. Thus, the drop in the term of expenditure is about six per cent. But the drop in the term of volume is about 10 per cent.
34. 3; There is no such data in the passage.
35. 5; The very first line of the passage clearly indicates that the drop in the number of credit card users



was due to slackness in economy.

36. 3            37. 1            38. 1

39. 2            40. 3

